

ting the "neac

mistake again fallen into by
(Daily) of having confounded

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

Insurance.

NOTICE.

THE QUEEN INSURANCE COMPANY.

THE following Rates will be charged in future for short period Insurance:

Exceeding 10 days, and not exceeding 1 month, do.	do.
Exceeding 1 month, and not exceeding 3 months, do.	do.
Exceeding 3 months, and not exceeding 6 months, do.	do.
Exceeding 6 months, and not exceeding 12 months, do.	do.

For the full annual rate, apply to the Agents.

MORRIS, LAMBERT & Co.
Agents for the Queen Insurance Company,
Longkong, May 20, 1868.

THE PACIFIC INSURANCE COMPANY OF SAN FRANCISCO.

THE Undersigned, Agents for the above Company, are prepared to grant Policies against FIRE, on BUILDINGS and GOODS, at current rates.

RUSSELL & Co.
Longkong, February 6, 1867.

BATAVIA SEA & FIRE INSURANCE COMPANY.

THE Undersigned having been appointed Agents in Hongkong for the above Company, are prepared to grant Policies against SEARISKS, at current rates.

RUSSELL & Co.
Longkong, April 4, 1866.

THE SHANGHAI INSURANCE ASSOCIATION OF SHANGHAI.

POLICIES granted by Marine Insurance Agents in Hongkong for the above Company are prepared to grant Policies against SEARISKS, at current rates. The returns to the assured, 10% of the yearly profits dividend, to the net premium constituted.

RUSSELL & Co.
Secretaries.
Longkong, June 4, 1866.

THE PACIFIC INSURANCE COMPANY OF SAN FRANCISCO.

THE Undersigned having been appointed Agents in China for the above Company, are prepared to grant Policies against Marine Risks, at the current rates.

RUSSELL & Co.
Longkong, July 6, 1866.

SAMARANG SEA AND FIRE INSURANCE COMPANY OF SAMARANG.

THE Undersigned having been appointed Agents in Macao for the above named Company are prepared to grant Policies against Marine Risks at the current Rates.

RAYNAL & Co.
Macao, August 4, 1866.

DE OOSTERLING VAN BATAVIA AND FIRE INSURANCE COMPANY.

THE Undersigned having been appointed Agents in Hongkong for the above Company are prepared to grant Policies against Sea-Risks on the trade.

SIEMSEN & Co.
Longkong, August 1, 1866.

Docks.

THE UNION DOCK COMPANY OF HONGKONG & WHAMPOA, LIMITED.

THE Company call the attention of Ship Owners, Consignees, and Masters of Vessels to their Establishment at Hongkong and Whampoa; for the DOCKING, REPAIRING of Vessels of all classes. The Dock in the Harbour, — a Granite solidly built, and of dimensions to receive 20 Ships of 860 feet in length, and weighing 25 feet of water. Attached to it there are Shipwrights, Smiths, Boiler-makers and Machinery, and everything necessary for the repair of Sailing Vessels or Steamers. The Company have also opened a Dock by the side of the Hongkong Dock, and are ready to contract for the construction of Steamers or Sailing Vessels of any size.

Whampoa the Company will take at reduced rates. The Steam Tug "LITTLE ORPHAN" is engaged to tow Vessels to dock, or them, at reasonable rates.

Particulars, apply to

ROB. S. WALKER
Secretary.
Company's Office, Queen's Road, Corner House Lane.
Hongkong, April 8, 1869.

THE UNION DOCK COMPANY OF HONGKONG & WHAMPOA, (LIMITED).

NOTICE.

THE above Company, having recently erected at their Docking Establishment at Kowloon, FIRST CLASS MANUFACTURE, are prepared to repair and refit Vessels of any size, and for the making or repairing of Steam Machinery (marine or land) or of Sugar crushing and Refining Machinery — Shunting, Gearing, and description of Factory, or Mill work taken.

A New Jetty, is in course of completion, of which Vessels drawing 18 feet of water can lay at any states of the tide. Attached to the Jetty are Scares capable of receiving Fifty Tons.

ROB. S. WALKER
Secretary.
Longkong, June 24, 1869.

Printed and Published by **CHARLES A. SPENCER**

[illegible]

